Inspira- Journal of Modern Management & Entrepreneurship (JMME)
ISSN : 2231–167X (Print), Impact Factor: 7.866, Volume 15, No. 04, October-December, 2025, pp. 145-148

# ढूंढाड़ प्रदेश के पर्यटन विकास की योजनाऐं एवं भावी समस्याऐं

**हंसराज बुनकर[1]* एवं डॉ. मदन लाल[2]**

[1]शोधार्थी, कला, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय, निर्वाण विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान।
[2]आचार्य, कला, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय, निर्वाण विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान।

*Corresponding Author: hansukumar203206@gmail.com

***Citation***: *हंसराज बुनकर एवं मदन लाल (2025). ढूंढाड़ प्रदेश के पर्यटन विकास की योजनाऐं एवं भावी समस्याऐं. Journal of Modern Management & Entrepreneurship, 15(04), 145–148.*

## सार

*पहले के समय में पर्यटन को भ्रमण के तौर पर जाना जाता था। लोग अपने व्यस्ता भरे समय में से कुछ समय निकालकर भ्रमण करने अपने परिवार के साथ या अपने मित्रों के साथ आया करते थे। समय के साथ पर्यटन के स्वरूप एवं विचारधारा में भी परिवर्तन आया है। आज पर्यटन केवल भ्रमण से सम्बन्धित न रहकर एक उद्योग का स्वरूप भी लेता जा रहा है। नये–नये पर्यटन केन्द्रों की स्थापना की जा रही है तथा पर्यटकों को विभिन्न प्रकार की सुविधाऐं प्रदान की जा रही हैं। पर्यटन उद्योग का विकास आज केवल पर्यटन का विकास न रहकर आजीविका के विकास का विषय बनता जा रहा है। पर्यटन क्षेत्रीय ही नहीं अपितु राज्य स्तर, राष्ट्रीय स्तर तथा अंतराष्ट्रीय स्तर पर विशाल उद्योग के रूप में विकसित होता जा रहा है। पर्यटन देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करता जा रहा है। वर्तमान युग में विभिन्न नवाचारों के साथ इसके विकास हेतु प्रयास किये जा रहे हैं। आज के समय में पर्यटन उद्योग में भ्रमण के साथ व्यापार व व्यवसाय की गतिविधियों का भी महत्वपूर्ण योगदान है। व्यापार व व्यवसाय की दृष्टि से भी लोग भ्रमण कर रहे हैं। जिससे पर्यटन उद्योग को काफी गति मिल रही है। पर्यटन उद्योग में आ रहे परिवर्तन तथा लोगों के रहन–सहन व जीवनशैली में आ रहे परिवर्तन एवं विकास की गति को ध्यान में रखते हुए पर्यटन उद्योग के विकास में अभिवृद्धि किये जाने की महती आवश्यकता है। पर्यटन उद्योग के विकास की भावी सम्भावनाओं का आंकलन करने तथा भविष्य की आवश्यकताओं को मध्यनजर रखते हुए पर्यटन उद्योग में क्रांति लाने की आवश्यकता है। इस हेतु विभिन्न प्रकार के नवाचार करने तथा औद्योगिक एवं सांस्कृतिक विचारधारा को जोड़कर चलने की महती आवश्यकता है।*

***शब्दकोश:*** *पर्यटन सुविधा, अर्थव्यवस्था, राष्ट्रीय आय, पर्यटन उद्योग, नवाचार, औद्योगिक, सांस्कृतिक विचारधारा।*

## प्रस्तावना

पर्यटन उद्योग वर्तमान समय में काफी बड़ा रूप लेते जा रहे हैं। किसी भी क्षेत्र के विकास तथा उसकी अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने में पर्यटन उद्योग का महत्वपूर्ण स्थान रहता है। राजस्थान राज्य में पर्यटकों के लिए सर्वाधिक आकर्षण का केन्द्र ढूंढाड़ प्रदेश रहा है। प्रदेश में राज्य के सर्वाधिक पर्यटकों का आना–जाना रहा है। प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासतों से व्याप्त ढूंढाड़ प्रदेश पर्यटन उद्योग की दृष्टि काफी महत्व रखता है।

* *Copyright © 2025 by Author's and Licensed by Inspira. This is an open access article distributed under the Creative Commons Attribution License which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work properly cited.*

प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासतों के साथ राज्य एवं प्रदेश का मौसम भी विदेशी पर्यटकों को काफी प्रभावित करता है। यहाँ के मौसम के चलते विदेशी पर्यटक सालभर आते रहते हैं। ढूंढाड़ प्रदेश का राज्य की राजधानी जयपुर जिले में स्थित होने के कारण से भी पर्यटन उद्योग हेतु सर्वोचच स्थान रखता है। यहाँ का प्राकृतिक स्वरूप तथा यहाँ की सांस्कृतिक विरासत अपने आप में इसे सबसे अलग व आकर्षक दर्शाती है। यहाँ के किले, मंदिर तथा विभिन्न पुरातन शैलियों से निर्मित भवनों द्वारा हमेशा से पर्यटकों को आकर्षित किया जाता रहा है। इन स्थलों के चलते यहाँ पर्यटन उद्योगों का क्षेत्र काफी विस्तृत रूप लेता जा रहा है।

पर्यटन उद्योग वर्तमान समय में न केवल जिला अपितु सम्पूर्ण राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अपना योगदान देता है। यहाँ की अर्थव्यवस्था में पर्यटन उद्योग का बहुत बड़ा भाग शामिल रहता है। सरकार द्वारा भी पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए काफी प्रयास किये जाते रहे हैं। जिले में न केवल भारत के अपितु विदेशों से भी पर्यटकों के आने का तांता लगा रहता है।

## पर्यटन विकास

वर्ष 2021 के आंकड़ों के आधार पर भारत में विदेशी पर्यटकों के आगमन की संख्या 1.52 मिलियन रही है। इस वार्षिक वृद्धि दर में –44.5 प्रतिश्ता की कमी दर्ज की गयी थी। भारत में अंतराष्ट्रीय पर्यटकों के आगमन की संख्या 7 मिलियन रही जिसमें 10.6 प्रतिश्ता की वृद्धि दर्ज की गयी है। वर्ष 2021 में आने वाले पर्यटकों की संख्या में आयी इस कमी का प्रमुख कारण वैश्विक स्तर पर कोरोना महामारी का प्रकोप रहा है।

वर्ष 2022 में भारत में विदेशी पर्यटकों के आगमन की संख्या 6.44 मिलियन दज्र की गयी है, जिसमें वर्ष 2019 की तुलना में 321.54 प्रतिशत की सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गयी है। वर्ष 2021 के आंकड़ों की तुलना में वर्ष 2022 में पर्यटकों की संख्या में अच्छी सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गयी है, जो कि वर्तमान समय में पर्यटन उद्योग की बढ़ती मांग व प्रभावशीलता को दर्शाता है।

यूं तो ढूंढाड़ा प्रदेश में पर्यटकों का आना जाना हमेशा लगा रहता है, परन्तु यदि पर्यटकों के आगमन का माहवार अध्ययन करें तो ज्ञात होता है कि वर्ष 2024 में सर्वाधिक विदेशी पर्यटक जनवरी से मार्च माह के मध्य आये हैं, जो कि वर्षभर के कुल विदेशी पर्यटकों का 38.31 प्रतिशत है। उसी तरहा वर्ष 2024 में सर्वाधिक स्वदेशी पर्यटक अक्टूबर से दिसम्बर माह के बीच दर्ज किये गये हैं। जिनका प्रतिशत 31.40 प्रतिशत रहा है। वर्ष 2024 में आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या में 2023 की तुलना में 21.92 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है। वहीं स्वदेशी पर्यटकों की संख्या में 28.50 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है।

राजस्थान राज्य की बात करें तो यहां वर्ष 2023 में आये स्वदेशी पर्यटकों की संख्या में 2022 की तुलना में 65.29 प्रतिशत की बढ़ौतरी देखी गयी है। वहीं विदेशी पर्यटकों की संख्या 2022 की तुलना में 328.52 प्रतिशत बढ़ी है।

## पर्यटन स्थल विकास

राजस्थान राज्य व ढूंढाड़ प्रदेश में स्थित पर्यटन स्थलों के विकास हेतु पर्यटन विभाग द्वारा बजट निर्धारित किया गया है तथा उसके अनुसार इनके संरक्षण एवं विकास के लिए निम्नानुसार व्यय किया गया है।

**तालिका 1: पर्यटन स्थलों के विकास एवं संरक्षण योजनाओं हेतु व्यय राशि**

**(राशि लाखों में)**

| वर्ष | प्रावधान राशि | व्यय राशि |
|---|---|---|
| 2017–18 | 2987.04 | 2699.70 |
| 2018–19 | 2856.19 | 2168.36 |
| 2019–20 | 1668.30 | 800.19 |
| 2020–21 | 2137.26 | 1254.33 |

| | | |
|---|---|---|
| 2021–22 | 3207.29 | 1694.29 |
| 2022–23 | 4606.18 | 2204.39 |

स्त्रोतः प्रगति प्रतिवेदन 2022–23, पर्यटन विभाग, राजस्थान।

पर्यटन विभाग द्वारा पर्यटन स्थलों का विकास एवं उनके संरक्षण हेतु विभिन्न योजनाऐं तैयार की गयी हैं। पर्यटन स्थलों के विकास एंव संरक्षण हेतु विभिन्न वर्षों में बजट निर्धारित किया गया है। इस निर्धारित बजट में से विभिन्न वर्षों में व्यय की गयी राशि को तालिका के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। तालिका के अनुसार वर्ष 2017–18 में सर्वाधिक 2699.70 लाख का व्यय किया गया जो कि विगत वर्षों में सर्वाधिक रहा है। इसके पश्चात् कोराना महामारी के चलते व्यय राशि में कमी देखी गयी है। वर्ष 2022–23 में यह व्यय राशि 2204.39 लाख दर्ज की गयी है, जो कि दर्शाता है कि वर्तमान में विभाग द्वारा पर्यटन स्थलों के विकास एवं उनके संरक्षण हेतु काफी धनराशि व्यय की जा रही है।

**पर्यटन प्रचार–प्रसार**

राजस्थान राज्य व ढूंढ़ाड़ प्रदेश में स्थित पर्यटन स्थलों का प्रचार–प्रसार करने हेतु विभिन्न योजनाऐं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं के सफल क्रियान्वयन एवं विकास हेतु बजट निर्धारित किया गया है तथा उसके अनुसार इनके प्रचार–प्रसार के लिए निम्नानुसार व्यय किया गया है।

**तालिका 2: पर्यटन स्थलों के प्रचार–प्रसार योजनाओं हेतु व्यय की गयी राशि**

**(राशि लाखों में)**

| वर्ष | प्रावधान राशि | व्यय राशि |
|---|---|---|
| 2017–18 | 12260.16 | 12034.24 |
| 2018–19 | 7795.00 | 6582.51 |
| 2019–20 | 3940.41 | 3387.99 |
| 2020–21 | 2000.00 | 1056.39 |
| 2021–22 | 3561.70 | 1522.10 |
| 2022–23 | 7384.54 | 7004.87 |

स्त्रोतः प्रगति प्रतिवेदन 2022–23, पर्यटन विभाग, राजस्थान।

पर्यटन विभाग द्वारा पर्यटन स्थलों के प्रचार–प्रसार हेतु विभिन्न योजनाऐं तैयार की जाती हैं। इन योजनाओं हेतु विभिन्न बजटों का प्रावधान विभाग द्वारा निर्धारित किया गया है। तालिका के माध्यम से प्रचार–प्रसार व्यय हेतु प्रावधान राशि तथा व्यय की गयी राशि का आंकलन किया गया है। वर्ष 2017–18 में 12034.24 लाख रूपये की धनराशि व्यय की गयी है। इसके पश्चात् कोराना महामारी के चलते व्ययों में कमी देखी गयी है। वर्ष 2021–22 में इसमें पुनः वृद्धि दर्ज की गयी है जो कि 1522.10 लाख रूपये दर्ज की गयी है। तालिका से स्पष्ट है कि पर्यटन विभाग द्वारा पर्यटन स्थलों के प्रचार–प्रसार हेतु निरन्तर कार्य किये जा रहे हैं।

**पर्यटन अर्थव्यवस्था**

पर्यटन का अर्थव्यवस्था में काफी अहम योगदान होता है। विगत दशकों में देखा गया है कि प्रदेश में पर्यटकों की संख्या में निरन्तर वृद्धि दर्ज होती जा रही है। ढूंढ़ाड प्रदेश में आने वाले पर्यटकों में देशी एवं विदेशी दोनों ही पर्यटकों का आगमन बढ़ा है। प्रदेश की आय में पर्यटन उद्योग का स्तर प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। पहले जहां प्रदेश मात्र एक आकर्षण का केन्द्र था अब दूर दराज से लोग यहां पर भ्रमण करने के साथ–साथ रोजगार की बढ़ती मांग के चलते भी आ रहे हैं।

विगत दशक में प्रदेश में फिल्म उद्योग का भी सक्रिय योगदान रहा है। फिल्मी उद्योग की सक्रियता के चलते यहां की आय में वृद्धि हुई है। राज्य में फिल्म जगत का विकास और बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा

फिल्म/डॉक्यूमेंट्री की लागत पर सब्सिडी के रूप में धनराशि प्रदान की जाती है। इतना ही नहीं फिल्म शूटिंग के दौरान फिल्मी क्रू को 50 प्रतिशत रियायत आर.टी.डी.सी. के होटलों में प्रदान की जा रही है।

**पर्यटक समस्याऐं**

पर्यटन विभाग द्वारा विगत समय में राजस्थान राज्य में पर्यटन विकास हेतु कई महत्वपूर्ण कार्य किये गये हैं। पर्यटन विभाग द्वारा विभिन्न स्तरों पर प्रचार–प्रसार किया गया है तथा पर्यटन स्थलों के संरक्षण एवं उनके जीर्णोंधार हेतु भी महत्वपूर्ण कार्य किये गये हैं। इन सब के बीच पर्यटकों को पर्यटन स्थलों पर विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ता है। पर्यटन स्थलों पर पर्याप्त सुविधा प्रदान की जानी चाहिए, जिससे की पर्यटकों के आगमन में वृद्धि की जा सके।

प्रायः अध्ययन से ज्ञात हुआ है कि विभिन्न पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों को मिलने वाली सुविधाओं में काफी खामियाँ प्राप्त हुई हैं। बड़े पर्यटन स्थलों के साथ–2 छोटे पर्यटन स्थलों पर अच्छी पर्यटन सुविधा प्रदान की जानी चाहिए, जिससे की पर्यटकों को होने वाली असुविधाओं को दूर किया जा सके। छोटे स्थलों पर अच्छी सड़कों, यातायात साधनों की कमी के चलते पर्यटकों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही पर्यटकों को स्थलों पर आमजन द्वारा होने वाली परेशानियों का भी सामना करना पड़ता है। अन्तराष्ट्रीय पर्यटकों को भाषा से सम्बन्धित समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जिसके चलते पर्यटकों का रूझान ढूंढाड़ प्रदेश की और कुछ कम होता देखा जा रहा है।

**निष्कर्ष**

ढूंढ़ाड़ प्रदेश में पर्यटन की काफी सम्भावनाऐं है जिनके चलते यहाँ की अर्थव्यवस्था में काफी सकारात्मक परिवर्तन आ रहा है। साथ ही पर्यटन के चलते जिले में आया तथा आजीविका के स्त्रोतों की भी काफी वृद्धि हो रही है। इन सभी के बीच पर्यटकों को काफी समस्याओं का भी सामना करना पड़ रहा है जिसका नकारात्मक प्रभाव पर्यटन उद्योगों पर देखा जा रहा है। सरकार तथा पर्यटन विभाग द्वारा पर्यटकों को पर्यटन स्थलों पर अच्छी सड़कें, अच्छे लाइसेंसधारी गाइड़ों तथा इन्टरनेट के माध्यम से टिकट वितरण व पर्यटन स्थलों की पूरी जानकारी उपलब्ध करवायी जानी चाहिए, जिससे पर्यटकों को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़े। साथ ही अंतराष्ट्रीय पर्यटकों हेतु विशेष परामर्श केन्द्र स्थापित करने चाहिए जिससे उनको द्विभाषी सहायता प्रदान कर उनकी समस्याओं का समाधान किया जा सके। पर्यटन उद्योग तथा उससे होने वाले लाभ व आर्थिक विकास से आमजन को अवगत करवाया जाना चाहिए तथा पर्यटन उद्योगों में संलग्न व्यक्तियों के अतिरिक्त अन्य लोगों को भी इससे जोड़ कर आर्थिक लाभ प्रदान किये जाने चाहिए। सरकार, पर्यटन विभाग तथा आमजन के सकारात्मक तथा सार्थक प्रयासों से ही पर्यटन उद्योगों के विकास का मार्ग प्रशस्त हो सकता है।

**संदर्भ ग्रंथ सूची**


1. इंडिया टूरिज्म स्टेटिस्टिक्स (2022). पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार।
2. भाटिया, ए.के. (1978). *"टूरिज्म इन इंडिया : हिस्ट्री एण्ड डवलपमेन्ट"*. स्टर्लिंग पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।
3. प्रगति प्रतिवेदन पत्रिकाएं राज दी हैरिटेज वेल्थ ऑफ राजस्थान, राजस्थान ट्यूरिज्म, आरटीडीसी, जयपुर, 2022
4. प्रगति प्रतिवेदन, (2023–24). पर्यटन विभाग राजस्थान सरकार, जयपुर।
5. प्रगति प्रतिवेदन, (2024–25). पर्यटन विभाग राजस्थान सरकार, जयपुर।
6. राजस्थान पर्यटन ''उपलब्धियों के वर्ष'' पर्यटन विभाग, जयपुर 2022।.


❑❑❑